हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

रविवार, 22 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 110 04 पेज, मूल्य ₹1.00

कौवे के बिना अधूरा होता है श्राद्ध

प्रयागराज, एजेंसी।

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर अश्विन मास की अमावस्या तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान पितरों की आत्मा तृप्ति के लिए पंच बलि भोग में कौवे के भोग का बहुत महत्व माना गया है।

श्राद्ध में पितरों की आत्मा को तृप्त करने के लिए देव, गाय, कौआ और श्वान का भोग सबसे पहले दिया जाता है।

इस भोग को ग्रहण कर पितर तृप्त होते हैं और कुटुम्ब के सदस्यों को स्नेह पूर्वक आशीर्वाद देकर धराधाम से उर्ध्व धाम को चले जाते हैं। स्कंद पुराण के अनुसार देवता और पितर गंध और रस तत्व से भोजन ग्रहण करते हैं। इनको ग्रास न/न देने से श्राद्ध कर्म अधूरा ही माना जाता है। धार्मिक ■ शेष पेज 04 पर

देवरिया में रिश्वत लेने के आरोप में लेखपाल निलंबित

देवरिया, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के देवरिया में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने शनिवार को एक लेखपाल को निलंबित कर दिया। आधिकारिक प्रवक्ता ने यहां बताया कि शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक लेखपाल का रिश्वत लेते एक वीडियो वायरल हुआ था । वायरल वीडियो में सदर तहसील के ग्राम पहाड़पुर हल्के के लेखपाल रणविजय सिंह एक व्यक्ति से रिश्वत के रूप में पांच-पांच सौ के नोट लेते दिखाई पड़ रहे हैं।सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश पर एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने लेखपाल रणविजय सिंह को निलंबित कर दिया है।

अमेरिका पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर उमड़े भारतवंशी, बाइडन बोले-

आज घर में करूंगा स्वागत

वॉशिंगटन, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के तहत शनिवार को फिलाडेल्फिया पहुंचे। फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर पहुंचने पर अमेरिका के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल एथन रोसेनजवेग ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। अमेरिका के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल का पद राजदूत और सहायक विदेश मंत्री के समकक्ष होता है।

यहां से पीएम मोदी डेलावेयर में बाइडन से मिलने उनके निजी आवास पर पहुंचे हैं। फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर भारतीय प्रवासी समुदाय ने पीएम मोदी को गर्मजोशी से स्वागत किया। अमेरिका के विभिन्न शहरों से भारतीय प्रवासी प्रधानमंत्री मोदी के आगमन ■ शेष पेज 04 पर

क्वाड शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

खास खबर

मथुरा में मालगाड़ी हादसे के लिये जांच समिति गठित

मथुरा। मथुरा पलवल रेलखंड में वृन्दावन रोड एवं आइई स्टेशनों के बीच बुधवार को मालगाड़ी के डिब्बे पलटने की घटना की जांच के लिए छह सदस्यीय जांच समिति की घोषणा कर दी गई है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने शनिवार को बताया कि समिति जल्दी ही अपनी जांच रिपोर्ट सौंप देगी। इस घटना के लिए एटीएस आतंकी कनेक्शन को तलाश रही है। जांच के दौरान यदि बाहरी लोगों के संलिप्त होने की बात आती है तो उस समय इसको देखा जाएगा। उधर इस घटना के बाद लाइनों की मरम्मत हो जाने से दिल्ली और मथुरा के बीच चार लाइनों पर यातायात विधिवत चालू हो गया है।

रायबरेली एम्स में डिजिटलीकरण बढ़ाने के प्रयास तेज

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के मुंशीगंज स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डिजिटलीकरण बढ़ाने का काम किया जा रहा है ताकि मरीजों के पंजीकरण समेत उनकी विशेष पहचान जिसमे उनके सारे रिकॉर्ड रहेंगे और वह किसी भी एम्स में कारगर होगी ऐसी सुविधा से लैस करने की योजना सामने आई है।एम्स प्रवक्ता डॉ. सुयश सिंह ने आज शनिवार को बताया कि डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी(एनएचए) ने कल दिल्ली के विभिन्न एम्स के सभी नोडल अधिकारियों की बैठक ली और पंजीकरण, भुगतान और शेड्यूलिंग जैसी डिजिटल पहल करने के लिए सभी संभव प्रयासों पर चर्चा की।डॉ.सुयश के अनुसार एम्स रायबरेली में जल्द ही जीपीएस से जुड़ा एक रीविजिट सिस्टम होगा - मरीज संस्थान में चलते-फिरते अपना रीविजिट खुद दर्ज करा सकते हैं।

जौनपुर में धर्म परिवर्तन करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सुजानगंज थाने की पुलिस टीम ने विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया ।पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने बताया कि सुजानगंज के प्रभारी निरीक्षक घनानन्द त्रिपाठी, उप निरीक्षक रामस्वरुप राय व उप निरीक्षक मनोज कुमार मय हमराह द्वारा थाना क्षेत्र में गरीब एवं अशिक्षित लोगों को गुमराह कर व प्रलोभन देकर ईसाई धर्म को श्रेष्ठ बताते हुए हिन्दू धर्म को अन्ध विश्वास व पाखण्ड बताते हुए ईसाइ धर्म में परिवर्तन कराने के सम्बन्ध मे मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

गोरखपुर में सीएम योगी का लगा जनता दरबार, 300 लोगों की सुनी समस्या, बोले

सबका होगा समाधान

गोरखपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार को जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक.एक कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं हैए सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं जिसमें कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधानः योगी

इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को योगी ने आश्वस्त ■ शेष पेज 04 पर

अब 3डी मेटावर्स पर भी दिखेंगी लखनऊ-प्रयागराज की गलियां

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश को पर्यटन के लिहाज से देश के 'मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन' के तौर पर प्रोजेक्ट कर रही योगी सरकार अब आभासी दुनिया के जरिए भी पर्यटकों को प्रदेश के विभिन्न स्थलों का टूर कराने की दिशा में कार्य कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, 3डी मेटावर्स प्लैटफॉर्म पर लखनऊ व प्रयागराज के 1500 लैंडमार्क्स का 360 पैनोरमिक डाटा संकलित किया जाएगा। इसके बाद इन सभी जानकारियों को तथा जियो रेफरेंस मैप्स को मेटावर्स इंटीग्रेटेड सिस्टम से जोड़ा जाएगा और 3डी इनेबल्ड वेब व ■ शेष पेज 04 पर

प्रदेश के 100 स्थलों का ऑडियो टूर भी होगा संभव

अमर्यादित बयानबाजी सपा की संस्कृतिःसूर्य प्रताप शाही

प्रयागराज, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि अमर्यादित बयानबाजी करना समाजवादी पार्टी (सपा) की संस्कृति रहा है।कृषि मंत्री शाही ने शनिवार को प्रयागराज के सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में टिश्यू कल्चर लैब का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से कहा कि अमर्यादित बयानबाजी करना समाजवादी पार्टी (सपा) का कल्चर रहा है, धार्मिक स्थलों पर टिप्पणी करना और असंतुलित भाषा का प्रयोग कर हिंदू आस्था पर चोट पहुंचाना इनका मकसद रहा है।उन्होंने तिरुपति बालाजी के लड्डू प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने के प्रकरण में कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। मामले की सीबीआई जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के घटक दलों की हमेशा से यह मंशा रही है कि किस तरह हिंदू धर्म की आस्था पर चोट पहुंचाया जाए।कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व प्रयास किये है, जिससे किसानों की आमदनी में इजाफा हुआ है। प्रत्येक जिले में एक कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) तथा बड़े जिलों में दो केवीके स्थापित किये जा रहे हैं।

सीएम योगी बोले- बांटने वाली ताकतों की साजिश से रहना होगा सावधान

गोरक्षपीठ की जोड़ने की परंपराः योगी

गोरखपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के सान्निध्य में गोरक्षपीठ के माध्यम से लम्बे समय तक शिक्षा, स्वास्थ्य आदि सेवा के विभिन्न प्रकल्पों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ था। वह एक धर्माचार्य, मार्गदर्शक तथा समाज सुधारक थे।

उनमें सहज व सरल लोगों के प्रति वात्सल्य का भाव था। यदि कोई व्यक्ति धर्म विरोधी या राष्ट्र विरोधी आचरण करता था, तो वह बज्र जैसी कठोरता के साथ उसका प्रतिरोध करते थे। उस मामले में वह किसी बात की परवाह नहीं करते थे।

उन्होंने गोरक्षपीठ, षड्दर्शन सम्प्रदाय व नाथपंथ के माध्यम से समाज को संगठित करते हुए जीवन ■ शेष पेज 03 पर

आज सही दिशा में बढ़ रहा है भारतः योगी

विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा यूपीः सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के डिजिटल इण्डिया अभियान के प्रति जिस प्रकार पूरी दुनिया आकर्षित हो रही है, उसी क्रम में हम सबको आगे बढ़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री जी की मंशा है कि शिक्षण संस्थानों को इण्डस्ट्री से जोड़ा जाए। इससे हमें डिजिटल इण्डिया के सपने को साकार करने में सफलता प्राप्त होगी।

सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी की मंशा को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी आज दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में सैमसंग इण्डिया के सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के दीक्षान्त समारोह-2024 में छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां पर सैमसंग इनोवेशन कैम्पस द्वारा मॉर्डन कोर्सेज का प्रशिक्षण दिया गया है।

ग्लोबल मार्केट की आवश्यकता के अनुरूप आर्टिफीशियल इण्टेलीजेंस, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा, कोडिंग एण्ड प्रोग्रामिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों के सम्बन्ध में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। सेमीकण्डक्टर और ए0आई0 एक-दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 11 सितम्बर, ■ शेष पेज 03 पर

अखिलेश यादव हो चुके हैं हताश और निराशः जयवीर सिह

फिरोजाबाद, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को शिकोहाबाद नौशेहरा में हुए विस्फोट कांड केपीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए।इस अवसर पर मीडिया के सवालों के जवाब में उन्होंने अखिलेश यादव पर तंज करते हुए कहा कि वह समाज में जातिगत विद्वेष पैदा कर जातीय विषमता फैलाना चाहते हैं। सभी देशवासियों को राष्ट्रद्रोही लोगों से सचेत रहने की आवश्यकता है `समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रदेश सरकार की एसटीएफ टीम को एक जातिवादी?? फोर्स होने का आरोप लगाने के सवाल पर उन्होंने कहा अखिलेश यादव पूरी तरह हताश और निराश हैं इसलिए अनावश्यक उल्टे सीधी बयान बाजी करते रहते हैं .

अखिलेश यादव बोले- उपचुनाव में लंबी लड़ाई लड़ने जा रहा पीडीए

सभी सीटें हारेगी भाजपा

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडीए बड़ी लड़ाई लड़ने जा रहा है। पीडीए सबको साथ लेकर चलने का काम करेगा। आने वाले चुनाव में भी पीडीए ही एनडीए को हराएगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विधानसभा उपचुनाव में सभी दस सीटें हारेगी। इसके बाद भाजपा विधानसभा का चुनाव भी हारेगी और इनकी कुर्सी भी छिनना तय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हार से डरी हुई है। ये बीएलओ को हटा रहे है। जाति के आधार पर बीएलओ की तैनाती हो रही है। जाति के आधार पर एसडीएम तैनात हो रहे हैं। एक पत्रकार ने एक सूची जारी की है कि शासन में किस तरह से एक ही जाति के लोग कहां कहां बैठाये गए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। थाने, तहसील से लेकर हर स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा के नेता खुद स्वीकार करते है कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं था। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ खुद इनके ■ शेष पेज 04 पर

चुनाव के दौरान नहीं होनी चाहिए जाति की बात, नितिन गडकरी बोले-

सभी का होना चाहिए कल्याण

नयी दिल्ली, एजेंसी।

देश में जाति को लेकर हो रही राजनीति के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बड़ा बयान सामने आया है। नितिन गडकरी पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं पिछले कई वर्षों से राजनीति कर रहा हूं और समाज सेवा ही करता हूं। मैं राजनीति में अपने विश्वासों से कभी समझौता नहीं करता। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न जाति और धर्म के लोग मुझसे मिलने आये। मैंने खुले तौर पर कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति या धर्म से महान नहीं होता।

व्यक्ति अपने गुणों से महान होता है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारे संतों ने हमें सिखाया है कि समाज से जाति, धर्म, ऊंच-नीच के सभी भेदभाव को समाप्त करना होगा और सामाजिक और आर्थिक समानता स्थापित करनी होगी। इसलिए मैं किसी के दबाव में नहीं आता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सभी का कल्याण होना चाहिए लेकिन चुनाव के दौरान जाति की बात नहीं होनी चाहिए। इससे पहले ■ शेष पेज 04 पर

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 22 को जौनपुर आएंगी

जौनपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 22 सितंबर रविवार को 10:30 बजे से 13:30 बजे तक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह भाग लेने के लिए आ रही हैं। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शनिवार को कहा कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल करेंगी। समारोह के के मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल्स, आईएएएम,स्वीडन के निदेशक डॉ. आशुतोष तिवारी होंगे। डॉ तिवारी एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी होंगे।

कभी बामसेफ था बसपा की परछाई, अब वजूद बचाने को आ रहा याद

लखनऊ, एजेंसी।

दलित कर्मचारियों को एकजुट करने के लिए वर्ष 1978 में बामसेफ (बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्युनिटीज इंप्लाई फेडरेशन) की स्थापना का मकसद राजनीति में आना नहीं था, लेकिन बदलते दौर में यह संगठन अब बसपा का वजूद बचाने की मजबूरी बन गया है।

बसपा को यूपी समेत कई प्रदेशों में दलित वोट बैंक पर पकड़ कमजोर पड़ती देख बामसेफ की याद आई है। इसलिए अब इसका पुनर्गठन करने की जरूरत महसूस की जा रही है।पार्टी के कुछ पदाधिकारी बामसेफ का हर जिले में संगठन होने का दावा करते हैं तो कुछ इसके वजूद पर ही सवाल उठा रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक बसपा में बामसेफ का अब कोई अस्तित्व नहीं है। कुछ सरकारी अधिकारी और कर्मचारी जरूर सहयोग करते रहते हैं। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि दशकों बाद इसका पुनर्गठन कैसे होगा।

तमाम नेता पहले बामसेफ से जुड़े थे जिन्हें कांशीराम ने साथ लेकर बसपा की स्थापना की थी।शुरूआती दौर में दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा और यूपी में पैर जमाने वाले गैर राजनीतिक संगठन बामसेफ का सियासी चेहरा बसपा ■ शेष पेज 04 पर

कई संगठन होने से ऊहापोह

सम्पादकीय

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीड़न के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा।

खेती को खोखला कर देंगी, जीएम फसलें

एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है।

जेनेटिकली मोडीफाईड' फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं। हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था।इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है। हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है। ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं।'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि। यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है।इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं। इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है।जाहिर है, 'जीएम' व 'गैर-जीएम' फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 'जीएम' फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों से सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। 'जीएम' फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।'

वैज्ञानिकों ने इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। गंभीर दुष्परिणाम आने पर भी हम इनकी क्षतिपूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक-प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण, पर्यावरण में पहुंचने के बाद हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है।ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से 'जीएम' फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से 'जीएम' फसलों के गंभीर खतरों को उजागर करने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक रुले' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। 'जीएम' उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक-उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है।

सन-2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं।इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया। 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए। 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है। 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं। केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए, तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। भेड़-बकरी चराने वालों ने स्पष्ट बताया कि सामान्य कपास के खेतों में चरने पर ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं पहले नहीं देखी गईं, 'जीएम' के आने के बाद ही ये समस्याएं देखी गईं। हरियाणा में दुधारू पशुओं को 'बीटी' कपास के बीज व खली खिलाने के बाद उनमें दूध कम होने व प्रजनन की गंभीर समस्याएं सामने आईं हैं।कृषि व खाद्य क्षेत्र में 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की टैक्नॉलाजी मात्र छः-सात बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में केंद्रित है। इन कंपनियों का मूल आधार पश्चिमी देशों में है। इनका उद्देश्य 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' के माध्यम से दुनियाभर की कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में कभी संभव नहीं हुआ। इन तथ्यों व जानकारियों को ध्यान में रखते हुए सभी 'जीएम' फसलों का विरोध जरूरी है। इसके साथ अवैध ढंग से हमारे देश में जिन 'जीएम' खाद्य उत्पादों का आयात होता रहा है उस पर पूरी तरह रोक लगाना भी जरूरी है।

इस विषय पर सबसे गहन जानकारी रखने वाले भारत के वैज्ञानिक थे, प्रो. पुष्प भार्गव। एक लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 शोध प्रकाशनों ने 'जीएम' फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा है। दूसरी ओर 'जीएम' फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं।'जीएम' फसलों के समर्थक कहते हैं कि उसे वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधान का आकलन कर यह स्पष्ट बता दिया कि अधिकांश निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने 'जीएम' फसलों का विरोध ही किया है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन वैज्ञानिकों ने 'जीएम' को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर 'जीएम' बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से जुड़े रहे हैं। आज जब शक्तिशाली स्वार्थों द्वारा 'जीएम' खाद्य फसलों को भारत में स्वीकृति दिलवाने के प्रयास अपने चरम पर हैं, यह बहुत जरूरी है कि इस विषय पर शीर्ष विशेषज्ञ प्रो. पुष्प भार्गव की तथ्य व शोध आधारित चेतावनियों पर समुचित ध्यान दिया जाए।

भारत ने इजरायल के मुद्दे पर खुद को ब्रिक्स सदस्यों से अलग-थलग कर लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारतीय विदेश नीति में क्या हो रहा है? क्या भारत 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका का एक जागीर देश बन जायेगा और देश के ब्रिक्स भागीदारों के साथ अपने सभी राजनीतिक संबंधों को समाप्त कर देगा ?ऐसे कई अन्य ज्वलंत प्रश्न 18 सितंबर को तब उभरे, जब हमारे प्रधानमंत्री के 74वें जन्मदिन और प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के एक दिन बाद, भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया, जिसमें मांग की गयी थी कि इजरायल 12 महीने के भीतर बिना किसी देरी के अपने कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को समाप्त करे।193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें भारत को छोड़कर अधिकांश विकासशील देशों और ब्रिक्स सदस्यों सहित 124 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि अमेरिका और इजरायल सहित 14 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया और भारत सहित 43 सदस्यों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

खास बात यह रही कि भारत की तरह ही क्वैड के एक सदस्य जापान ने भी प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया और कहा कि इजरायल की फिलिस्तीन में कब्जे वाली बस्तियों की गतिविधियां दो राष्ट्रों के प्रस्ताव की प्रगति को कमजोर करती हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 सितंबर को अमेरिका में चार देशों के क्वैड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह अमेरिका की उनकी तीन दिवसीय यात्रा का पहला दिन होगा। यह राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा

आयोजित एकमात्र शिखर सम्मेलन है, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। चार भागीदारों में से, अमेरिका जो इजरायल का संरक्षक है, ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, लेकिन जापान ने इसका समर्थन किया और दो अन्य सदस्य भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मतदान में भाग नहीं लिया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया एक ही समूह में हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया पश्चिमी हितों से जुड़ा एक समृद्ध राष्ट्र है, जबकि भारत, जिसे कई वर्षों से वैश्विक दक्षिण के चैंपियन के रूप में जाना जाता है, ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है कि दुनिया का सबसे बड़ा सक्रिय लोकतंत्र भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सक्रिय सदस्यों से अलग-थलग पड़ गया है। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध शुरू होने के बाद से ग्यारह महीने से अधिक समय में, गाजा क्षेत्र के विनाश की ओर ले जाने वाली शत्रुता को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर कई प्रयास किये गये हैं। मरने वालों की संख्या लगभग 40,000 हो गयी है। भारत को छोड़कर ब्रिक्स के सभी सदस्यों ने इजरायल द्वारा अत्याचारों को तुरंत समाप्त करने और फिलिस्तीन क्षेत्र पर उसके अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग में अग्रणी भूमिका निभाई।दक्षिण अफ्रीका ने आधिकारिक तौर पर मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपराधी घोषित करे और इजरायल से अपना कब्जा समाप्त करने को कहा जाये। ब्राजील के राष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के कदम का पूरा समर्थन किया। अंत में, आईसीजे ने इजरायल को उसके अत्याचारों को समाप्त करने के लिए अपना आदेश जारी किया लेकिन इजरायल सरकार आईसीजे के आदेश का पालन नहीं कर रही है।

18 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव इस संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। 21 सितंबर को क्वैड की बैठक होगी जिसमें चारों देशों के राष्ट्राध्यक्ष भाग लेंगे। गाजा पर इजरायल के कब्जे समेत वैश्विक मुद्दों पर भारतीय प्रधानमंत्री के विचारों पर नजर रखना दिलचस्प होगा। एससीओ की बैठक 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होनी है, जबकि ब्रिक्स की बैठक रूस में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में 22 से 24 अक्टूबर को होगी, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे। यह बैठक काफी दिलचस्प होगी।

सेबी अध्यक्ष को पद छोड़ने के लिए कहना चाहिए

सेबी की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच पर आई विपत्ति को समाप्त करने का समय आ गया है। अगर उन्होंने पहले ही अपना इस्तीफा नहीं भेजा है तो समय आ चुका है कि उन्हें सेबी छोड़ने के लिए कह दिया जाए। वास्तव में यह उनके हित में है कि वे पद छोड़ दें और निष्पक्ष जांच का सामना करें, बजाय इसके कि एक महत्वपूर्ण नियामक संस्थान के शीर्ष पर बैठे रह कर खुद को और संस्था को उस तरह से कमजोर होते देखें जितना कमजोर सेबी पहले कभी नहीं रहा है। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो उनके आचरण का बचाव कर रहे हैं और आरोपों को राजनीति या निहित स्वार्थों का खेल कह रहे हैं लेकिन वे केवल आधे-अधूरे मन से कह रहे हैं, किंतु मामला इस कदर उजागर हो गया है कि अब इसका किसी प्रकार बचाव करना संभव नहीं हो पाएगा।हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जिसने सेबी की वह विश्वास और नैतिक प्रतिष्ठा छीन ली है जो उसके कार्य करने और यहां तक कि सबसे बुनियादी विनियामक कार्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है। सेबी अधिनियम, 1992 की प्रस्तावना में इसका चार्टर निर्धारित किया गया है: ... प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना एवं प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना और विनियमित करना तथा उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए नियामक व्यवस्था बनाना'। मौजूदा परिस्थितियों में यह सेबी से परे का कार्य है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सेबी के अध्यक्ष ने सेबी को घुटनों पर ला दिया है।यह अप्रासंगिक है कि क्या उनके खिलाफ आरोप साबित होंगे और अंततः वे दोषी पाई जाएंगी या नहीं। पहले से ही ऐसे पर्याप्त सबूत है जो ऐसे सवाल उठाते हैं जिन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकेगा। सेबी में आंतरिक विद्रोह से बाहरी दबाव बढ़ रहा है जिसे गंभीरता से लेने के बजाय खेदजनक और हास्यास्पद स्पष्टीकरण के साथ उसका मुकाबला किया जा रहा है। यह एक कथित विषाक्त संस्कृति की ओर इशारा करता है। सेबी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह बताया जाना कि सेबी के श्रेणी क के अधिकारियों को बाहरी तत्वों द्वारा गुमराह किया गया था, सेबी के संपूर्ण कार्यबल का अपमान करना है।अधिकारी निश्चित रूप से जानते हैं कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। भारतीय प्रणाली कैसे काम करती है इस बात की जानकारी जिन लोगों को है, वे जानते हैं कि शक्तिशाली के खिलाफ बोलने के लिए एकजुट होने के लिए बहुत साहस और चरित्र बल और दृढ़ संकल्पित होने की आवश्यकता होती है। अडानी से संबंधित फंडों और हिंडनबर्ग के आरोपों में उलझी होने के बावजूद सुश्री बुच अछूती हैं क्योंकि वे सत्ताधीशों की करीबी मानी जाती हैं। अधिकारी ऐसे व्यक्ति का विरोध करने में कामयाब रहे हैं तो यह केवल सड़ांध की सीमा का संकेतक है जिसने असहनीय होने के कारण टारगेटेड होने के खतरे के बाद भी अधिकारियों को बोलने के लिए मजबूर किया है। सार्वजनिक क्षेत्र में पदानुक्रमित, शीर्ष-चालित, बॉस की जी हुजूरी करने की संस्कृति में विरोध दुर्लभ है और निजी क्षेत्र में असंतोष जाहिर करना आत्मघातक होता है, लेकिन सेबी एक हाइब्रिड की तरह लगता है जिसने कार्यस्थल पर दोनों तरह की सबसे खराब स्थिति सामने लाई है।राजनीतिक नजरिये से देखें तो यह महत्वपूर्ण है कि भाजपा सुश्री बुच का बचाव करना बंद कर दे और मामले की पूरी जांच के लिए तैयार हो। भाजपा के राजनीतिक रणनीतिकार यह पाएंगे कि हर गुजरते दिन के साथ बुच को पद पर बनाए रखने की राजनीतिक कीमत बढ़ती जा रही है। हालांकि यह एक बहुत छोटा सवाल है कि भाजपा अपनी छवि को खराब कर रही है तथा अपने संकटों का प्रबंधन कर रही है और खुद के द्वारा खड़े किए गए क्रोनिज्म की सड़ांध से नतीजों का जवाब दे रही है। बड़ा सवाल यह है कि आज भारत कहां खड़ा है और इस तरह के नेतृत्व में प्रमुख संस्थानों को कैसे कमजोर किया जा रहा है।यह निर्विवाद है कि राजनीतिक कवर के बिना सुश्री बुच कथित तौर पर इस तरह से काम नहीं कर सकती थीं। यह वही राजनीतिक कवर है जो कुछ प्रमुख पदों पर लोगों की शक्ति को, उनके प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाता है तथा जो साहसिक, अत्यधिक उत्साही और समर्पित होते हैं एवं उनकी अहंकार की भावना को बढ़ावा देता+ है जिसे हम अंततः देखते हैं कि हर बार कभी न कभी ढह जाता है। आखिर सेबी के सर्वशक्तिशाली अध्यक्ष पर कौन प्रश्न उठा सकता है? पांच साल पहले यह सवाल था: आईसीआईसीआई बैंक के शक्तिशाली चेयरपर्सन से कौन सवाल पूछ सकता है? चंदा कोचर ने तब तक पद छोड़ने से इनकार कर दिया था जब तक बैंक कोई और कारण बता कर उन्हें रोक नहीं सकता था और अंततः न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण समिति द्वारा उनके खिलाफ दर्ज निष्कर्षों के आलोक में (बर्खास्तगी की वजह मिलने के कारण) उन्हें बर्खास्त करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों मामलों में प्रबंधकों की जड़ें आईसीआईसीआई बैंक में निकलती हैं। वी कामथ के नेतृत्व में आईसीआईसीआई बैंक के दौरान बुच और कोचर की तेजी से तरक्की हुई। कामथ के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र में एक परियोजना वित्त कंपनी के लिए आक्रामक तरीके अपनाए और देखा गया कि एचडीएफसी बैंक द्वारा पछाड़ने तक एक समय देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक बन गया था । ये वो दिन थे जब कामथ और आईसीआईसीआई ने शीर्ष वैश्विक बैंक बनने की कल्पना की थी और आक्रामक व्यावसायिक तरीके अपनाकर नई ऊर्जा पैदा की, त्वरित विकास भी किया लेकिन ऐसी प्रथाएं भी लाई जो कई सवाल पैदा करने वाले थे। इसने प्रमुख बड़े अधिकारियों को करोड़पति में बदल दिया और कोचर और बुच (और कई अन्य अनाम) जैसे प्रबंधक दिए। बुच 1989 में आईसीआईसीआई बैंक में शामिल हुईं। 2006 में वे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में शामिल हुईं और 2009 से 2011 तक उसके सीईओ के रूप में इसका नेतृत्व किया। बाद में आईसीआईसीआई बैंक और सेबी के आचरण के बारे में पूछे गए कई सवालों के बाद कंपनी को डिलिस्ट कर दिया गया। सेबी पर आईसीआईसीआई का पक्ष लेने का आरोप लगाया गया था क्योंकि नियमों का उल्लंघन करने के बावजूद उसने आईसीआईसीआई पर कार्रवाई नहीं की थी।एक अन्य कनेक्शन हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का है जो कंपनी निष्ठावान प्रबंधकों का दावा करती है। यूनिलीवर को भारत में अपनी 100 साल की विकास यात्रा के दौरान उच्च नीतिगत मूल्यों को बनाए रखने के लिए जाना जाता है।

यह निर्विवाद है कि राजनीतिक कवर के बिना सुश्री बुच कथित तौर पर इस तरह से काम नहीं कर सकती थीं। यह वही राजनीतिक कवर है जो कुछ प्रमुख पदों पर लोगों की शक्ति को, उनके प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाता है तथा जो साहसिक, अत्यधिक उत्साही और समर्पित होते हैं एवं उनकी अहंकार की भावना को बढ़ावा देता है जिसे हम अंततः देखते हैं कि हर बार कभी न कभी ढह जाता है।

लाभार्थीपरक योजनाओं सें संबंधित प्रकरणों का तेजी से किया जाये निस्तारण: डीएम

- जनपद की सभी सात तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

सीतापुर।

जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील बिसवां में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक डा0 प्रवीन रंजन सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें।

म्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों एवं बैंकों के स्टाल लगाये गये। जिसमें लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी दी गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 हरपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र प्रजापति, क्षेत्राधिकारी बिसवां सतीश चन्द्र शुक्ला, तहसीलदार बिसवां उमा शंकर त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील बिसवां में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 140 शिकायतों में से 17 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

एंटी करप्शन की बड़ी कार्रवाई

50 हजार रिश्वत लेते पुलिस इंस्पेक्टर को दबोचा...हुआ निलंबित, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

सत्ता संकेत

नीरज सिन्हा (ब्यूरो चीफ), लखनऊ।

उन्नाव/लखनऊ। लखनऊ की एंटी करप्शन टीम ने सदर कोतवाली क्षेत्र से अपराध विवेचना शाखा के इंस्पेक्टर को एक प्लाट में अवैध कब्जे की शिकायत की जांच करने के दौरान धारा में खेल करने के लिए पेशगी के तौर पर 50 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। टीम ने उस पर दही थाने में रिपोर्ट दर्ज करा मेडिकल कराने के बाद गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को हुई गिरफ्तारी के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है।बता दें कि सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर मोहल्ला निवासी असलम ने 28 मई-2024 को कोतवाली क्षेत्र के गांव ख्वाजगीपुर करोवन निवासी फहद, भूपेंद्र, गौरव सिंह, गौरव शुक्ला, ताबिश व सचिन विमल पर उसके भूखंड पर धोखाधड़ी से कब्जा करने की शिकायत दर्ज कराई थी। तत्कालीन एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना ने इसकी जांच मुख्यालय में तैनात अपराध अनावरण शाखा (क्राइम ब्रांच) को सौंपी थी। आरोप है कि इंस्पेक्टर हीरा सिंह ने पीतांबर नगर निवासी आरोपी सचिन विमल से उसका नाम हटाने व धाराओं में खेल करने की बात कह दो लाख रुपये मांगे थे। सचिन ने इसकी शिकायत लखनऊ में एंटी करप्शन विभाग से की थी। शनिवार को टीम ने इंस्पेक्टर को रंगे हांथ दबोचने की योजना बनाकर सचिन को पेशगी के तौर पर 50 हजार रुपये इंस्पेक्टर को देने के लिए भेजा।

योजना के तहत वह लहरी क्लब में रहने वाले इंस्पेक्टर को रिश्वत देने पहुंचा।जैसे उसने नोटों की गड्डी हीरा सिंह को दी पीछे से पहुंची एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। टीम उसे लेकर दही थाना पहुंची। जहां से जिला अस्पताल में उसका मेडिकल कराया गया। एंटी करप्शन टीम के ट्रैप टीम प्रभारी लखनऊ डिजीवन प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इंस्पेक्टर हीरा सिंह के खिलाफ दही थाना में रिपोर्ट दर्ज कराकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं पुलिस इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी के बाद से महकमे में हड़कंप मच गया। मामला विभागीय होने से विभाग के अफसर अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। बता दें कि बीते दिनों सफीपुर कोतवाली के हेड कांस्टेबल वीरेंद्र यादव को भी रिश्वत लेते पकड़ा गया था।

पहले भी चर्चा में रह चुके है हीरा सिंह

इंस्पेक्टर हीरा सिंह इससे पहले भी चर्चा में रह चुके हैं। अचलगंज एसओ रहते समय उन पर अवैध खनन में पकड़ी गई ट्रैक्टर-ट्राली को थाने से छोड़ने के आरोप लगे थे। इस पर तत्कालीन एसपी ने उन्हें वहां से हटाया था।

एसपी ने किया इंस्पेक्टर को निलंबित

महकमे की भद पिटवाने वाले इंस्पेक्टर हीरा सिंह को एसपी दीपक भूकर ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसपी ने इंस्पेक्टर के विरुद्ध विभागीय जांच भी बैठाई है।

समाधान दिवस में आई 45 शिकायतें दो का मौके पर निपटारा

महराजगंज रायबरेली।

महराजगंज तहसील का संपूर्ण समाधान दिवस नवागंत एसडीएम रश्मि लता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समाधान दिवस में प्राप्त हुई 45 शिकायतों में से महज 02 का ही मौके पर निस्तारण किया जा सका। उसके अलावा शेष प्रकरणों में टीम गठित कर मौके पर त्वरित निस्तारण हेतु भेजा गया। शेष प्रार्थना पत्रों पर संबंधित विभाग के अधिकारीगण को निर्देश दिए गए।ज्यादातर शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुईं, जिनके जल्द निस्तारण के लिए आश्वासन दिया गया है।

महराजगंज तहसील में उप जिलाधिकारी रश्मि लता की अध्यक्षता में आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 45 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसमें राजस्व विभाग के 19, पुलिस विभाग से 09, विकास से संबंधित 10, अन्य सात मामले आए, जिनमें दो शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर किया गया।

तहसील दिवस में एक मामला ऐसा भी आया जो बार-बार तहसील दिवस में आता रहता है, किंतु आज तक हल्का लेखपाल की हीला-हवाली के चलते निस्तारित नहीं हो पाया है, और फरियादी बार-बार तहसील दिवस के चक्कर काट रहा है। मामला जोनिहा गांव के रहने वाले शिकायतकर्ता राम आधार का है। गांव गाटा संख्या 116/0.003, 112/0.513 हेक्टयर जोकि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती दर्ज है, जिसके 0.101 हेक्टेयर भूमि पर गांव के जगदीश पुत्र जग्गू ने कब्जा कर बाउंड्री वॉल बनाकर गेट लगा लिया है और अंदर खेती कर रहा है। मामले की कई बार शिकायत की गई। तत्कालीन एसडीम राजित राम गुप्ता ने हलका लेखपाल को मौके पर जाकर निर्माण ढहाने के आदेश भी जारी किए थे.

खास खबर

तहसील दिवस में एसडीएम, ने फरियादियों की सुनी शिकायत

पुरवा उन्नाव। सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस में एसडीएम, तहसीलदार ने फरियादियों की फरियाद सुन 81 मामलो में 24 का निस्तारण किया गया तहसील मुख्यालय के सभागार में आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी उदित नारायण सेंगर व तहसीलदार साक्षी राय ने 81 मामलो में 24 मामले का निस्तारण किया गया। इसी दौरान अकोहरी गांव के रामपाल ने बताया बृद्धावस्था पेशन योजना का लाभ मिल रहा था लेकिन मार्च 2023 से पेंशन बंद हो गयी है। इस दौरान संबंधित अधिकारी, कर्मचारी गण मौजूद रहे।

सूने घर का ताला तोड दस लाख की ज्वैलरी व पचास हजार नगदी की चोरी

चौड़गरा। बीती रात चौडगरा स्थित एक सूने घर से चोर दस लाख की ज्वैलरी व पचास हजार नगदी आलमारी तोड कर चुरा ले गए।गृह स्वामी औंग थाना क्षेत्र के गाँव मिराई में एक स्कूल चलाते हैं और परिवार के साथ वही रहते हैं।चौडगरा वाले इस घर में ताला लगा रहता है। गृह स्वामी ने चोरी की तहरीर थाना कल्यानपुर को दी है। सूचना मिलने के बाद कल्यानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक व फोरेंसिक टीम ने मौके पर जाकर तफ्तीश किया। चोरी की यह घटना संदिग्ध बताई गई है। ऐचौड़गरा निवासी शत्रुघ्न सिंह उर्फ लल्लू भदौरिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि वह बीती रात औंग थाना क्षेत्र के गाँव मिराई मे अपने स्कूल मे परिवार के साथ थे । चौडगरा स्थित घर में ताला लगा था। चौडगरा स्थित घर में आज रात में अज्ञात चोरों ने 10:00 बजे से 12:00 बजे के बीच किसी समय घर में लगा ताला तोड़कर चोर आलमारी में रखी दस लाख की ज्वैलरी व नगदी पचास हजार चुरा ले गए।

हाईटेंशन के टूटे तार की जद में आये किसान की हुई मौत

फतेहपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बडौरी गाँव मे खेतों में एक बुजुर्ग किसान हाईटेंशन के टूटे तार की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर ग्रामीणों व परिवारीजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार-बडौरी निवासी किसान गोपी किशन यादव पुत्र स्वर्गीय धनीराम यादव उम्र 55 वर्ष लहंगी रोड स्थित एक ईंट भट्ठे के समीप धान के खेत में खाद डालते समय टूटे विद्युत तार चपेट में आ गए।

रेलवे क्रासिंग अण्डर पास ना बनाकर ओवर ब्रिज बनाए जाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

संवादाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव। सदर विधानसभा, नगर पालिका श्रेत्र की अत्यंत व्यस्त लोक नगर रेलवे क्रासिंग पर जनहित में अण्डर पास ना बनाकर ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग को लेकर श्रेत्रीय सभासदों ने जिलाधिकारी प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राय को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा ।

कई सैकड़ा क्षेत्रीय नागरिको के हस्ताक्षर किये हुये ज्ञापन में मांग की गई कि अत्यन्त भीड-भाड़ वाली लोक नगर रेलवे क्रासिंग जो छोटा चौराहा उन्नाव से होकर लोकईखेड़ा ,कब्बाखेड़ा से होते हुए हरदोई मुख्यमार्ग को जुडी है, तथा पूर्व से कई वर्षों से लोकईयाखेड़ा रेलवे क्रासिंग पर रेल का यातायात अधिक होने के कारण भारी जाम लगता है तथा इसी रोड पर कई महाविद्यालय व विद्यालय पड़ते हैं जिससे कि आये दिन छात्रों को भी व अध्यापको को भी समय से पहुँचने में देरी होती है तथा कभी कभी भारी जाम में एंबुलेंस फॅसी होने के कारण समय से इलाज के अभाव में कई मरीजों की मृत्यु भी हो चुकी है उक्त छोटा चौराहा से लोकईयाखेड़ा रोड (पुराना हरदोई रोड) उन्नाव शहर की मुख्य रोड में एक रोड हैं। विभागीय सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि उक्त रेलवे कासिंग पर अण्डरपास बनना है परन्तु अण्डरपास बनने से जलभराव की समस्या हो जाएगी जिससे लोगो को काफी कठनाइयो का सामना करना पड़ेगा, तथा उक्त रेलवे क्रासिंग पर अण्डरपास की ना स्वीकृत देकर ओवरब्रिज पुल की स्वीकृति प्रदान करे जिससे जनहित में उक्त समस्या से क्षेत्रीय लोगो निजात मिल सके।

श्रेत्रीय सभासदों ने उक्त कई सैकड़ा नागरिको के हस्ताक्षर किए हुए ज्ञापन को डाक के माध्यम से मण्डलायुक्त उत्तर प्रदेश व मण्डल रेल प्रबंधक लखनऊ से भी मांग कि उक्त लोकईखेड़ा रेलवे कासिंग पर अण्डरपास की जगह पर ओवरब्रिज बनाने की स्वीकृति दे। ज्ञापन देने वालों में समाज सेवी आलोक निगम,लोक नगर वार्ड नंबर 13.के सभासद ओमेंद्र लोधी पंकज, जवाहर नगर वार्ड नंबर 10.के सभासद निशेष जयसवाल,पुरन नगर वार्ड नंबर 1. की सभासद किरन शर्मा के प्रति राजेश कुमार शर्मा रहे।

एक करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से बनी गौशाला

संवाददाता उमेश द्विवेदी ।

पुरवा उन्नाव। अन्ना मवेशियों का घर बनकर तैयार। पशुपालन विभाग द्वारा तीन माह पूर्व एक करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत छूलामऊ में स्थाई गौशाला का निमार्ण कराया गया विकास खंड की ग्राम पंचायत छूलामऊ में कार्यदाई संस्था यूपी पीसीएल द्वारा गौशाला का निर्माण हुआ। जिसमें करीब 300 सौ मवेशी रखे जाएगे। गौशाला में चार बडें सीमेंटेड शेड, भूसा गोदाम, कार्यालय कक्ष, जानवरों के पानी पीने के लिए हौज, एक सौर्य पम्प, एक समरसेबल, सी सी रोड, नाली, गौवंश इलाज/गभार्धान हेतु कैटल क्रश, ओवरहेड टैंक में पाइप लाइन सिस्टम, सोक पिट/सेप्टिक टैंक, बारबेड वायर से बाउंड्री वॉल, गेट, बिजली लगाई गयी है।

वही गौशाला बनने से अब गौवंश रखे जाएगे। अब क्षेत्रीय लोगों को घूम रहे गौवंशो से निजात मिलेगी। वही गौशाला बनकर तैयार खडी है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी डां संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्थाई गौशाला बनकर तैयार हो चुकी है। अभी हैंड ओवर नहीं हुई है.

एचआईवी 4 की बात को लेकर सीएचसी द्वारा दो गांवों में मोहद्दीनपुर व असरगंज में लोगों को प्रोत्साहित किया गया

पुरवा संवादाता जाहिद अली ।

पुरवा उन्नाव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आईसीटीसी महेश कुमार व ग्राम प्रधान जमुना प्रसाद व आशा प्रतिभा और लक्ष्मी देवी, बी एच डब्ल्यू अमिता देवी, आदि मौजूद रही। वही गांव असगरगंज में ग्राम प्रधान नीलू यादव, आशा सरोज देवी, आशा विमला देवी, आंगनवाड़ी शशि देवी और उमाकांती तथा सहायिका माया देवी और वी एक डब्लू अमिता शर्मा आदि मौजूद रही। ग्राम प्रधान नीलू यादव और जमुना प्रसाद ने ग्राम के लोगो को जागरुक किया। साथ ही सभी को अपनी जांच कराने के लिए प्रोत्साहित किया। आईसीटीसी काउंसलर महेश कुमार के द्वारा एचआईवी के बारे में जानकारी दी गई। और एचआईवी फैलने तथा बचाव के कारण बताए गए सभी लोगो को अपनी अपनी एचआईवी जांच कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

साथ ही सामाजिक लांक्षन व भेद भाव को दूर कर समाज में समानता का व्यौहार करने के साथ अपील की गई।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने सुनी जनसमस्याएं

फतेहपुर।

सम्बंधित को दिए निस्तारण के आदेश

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में तहसील सभागार में संपन्न हुआ।

समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग,बिजली विभाग,पूर्ति विभाग,पुलिस विभाग,नगरीय निकाय,विकास विभाग, व अन्य विभागों की शिकायतों को सुनते हुए त्वरित और पारदर्शी तरीके से निस्तारण के निर्देश संबंधितों को दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत रजिस्टर पर शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर भी अंकित किया जाय और शिकायतकर्ता से फोन पर आकस्मिक वार्ता कर निस्तारण की स्थिति की जांच भी कि जाय। एवं लेखपाल को बुलाने पर आने मे देरी करने पर उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया की यह सुनिश्चित करें की अगले संपूर्ण समाधान दिवस में सभी लेखपाल समाधान हाल मे उपस्थित रहेगें। रामप्रकाश ग्रामसभा कोराई द्वारा रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत पर, लेखपाल को मौके पर जाकर जांच कर अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए। राजरानी पत्नी स्व 0 अरुण कुमार ग्राम कासिमपुर बीबीहाट द्वारा अवैध कब्जे की शिकायत पर राजस्व निरीक्षक, राजस्व लेखपाल को प्रकरण की जानकारी न होने पर कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि तत्काल मौके पर जाकर नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें। ग्राम आदमपुर की मनु पुत्री क्रांति ने शिकायती पत्र पर बताया कि पट्टे की जमीन की मेडबंदी नही की जा रही है, जिस पर लेखपाल को नियमानुसार जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

पेज 1 का शेष

विकास और निवेश के बड़े अभियान.....

2024 को ग्रेटर नोएडा में सेमीकॉन इण्डिया-2024 का आयोजन हुआ है। सेमीकण्डक्टर पर यह भारत की पहली ग्लोबल मीट थी, जो सफल रही। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में सेमीकण्डक्टर के क्षेत्र में बहुत बड़ा कार्य शुरू हुआ है। भारत को सेमीकण्डक्टर के क्षेत्र में 05 नए निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 03 निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के लिए हैं। इनमें प्रत्येक निवेश प्रस्ताव द्वारा 01 लाख रोजगार प्राप्त होंगे।

सैमसंग इण्डिया द्वारा सी0एस0आर0 के तहत आयोजित इनोवेशन कैम्पस में जिन छात्र-छात्राओं ने ट्रेनिंग ली है, उसमें अधिकतर विद्यार्थी गोरखपुर विश्वविद्यालय और आई0टी0एम0 के हैं। आपने जो अध्ययन किया है, वह एक प्रकार से थ्योरेटिकल पार्ट है। जब आप किसी भी फील्ड में इण्डस्ट्री से जुड़ते हैं, तो वह आपको व्यावहारिक ज्ञान के साथ जोड़ती है और आगे की चुनौतियों से आपको अवगत कराती है। 3,500 युवा विद्यार्थी, जो इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सैमसंग इण्डिया का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सैमसंग इण्डिया अपने नोएडा कैम्पस में एक बार यहां के विद्यार्थियों को विजिट जरूर कराए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मोबाइल निमार्ता सैमसंग कम्पनी भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल बनाने वाली कम्पनी है। प्रदेश सरकार ने सैमसंग इण्डिया की समस्याओं का समाधान करते हुए कार्यों को शुरू कराया। वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री जी और दक्षिण कोरिया के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री मून ने नोएडा में सैमसंग इण्डिया की मोबाइल फोन की सबसे बड़ी फैक्ट्री का उद्घाटन किया था। उत्तर प्रदेश में देश में सर्वाधिक मोबाइल फोन निर्मित किए जा रहे हैं। देश की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत तथा मोबाइल कम्पोनेन्ट्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। सैमसंग इण्डिया द्वारा भारत की पहली डिस्प्ले यूनिट उत्तर प्रदेश में स्थापित की गई है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज की आवश्यकता और मार्केट की मांग के सम्बन्ध में हमें सोचना होगा। रोजगार मांग और पूर्ति पर आधारित है। इसके अनुरूप हमें मैपिंग करते हुए कार्य करने होंगे। इस सम्बन्ध में संस्थाओं को भी विचार करना होगा। आई0टी0आई0, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा विश्वविद्यालय सहित अन्य शिक्षण संस्थान ऐसे पाठ्यक्रम संचालित करें, जो अगले 20-25 वर्षों के लिए लोगों को रोजगार प्रदान करने का प्लेटफॉर्म तैयार कर सकें। समय-समय पर संस्थाओं द्वारा मैपिंग और सर्वे कराया जाए। विद्यार्थियों को इस प्रकार तैयार करें कि उनका कैम्पस प्लेसमेण्ट हो सके, वह अपना स्टार्टअप शुरू कर सकें। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवाओं को सशक्त व सामर्थ्यवान बनाना होगा। वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम तैयार करने होंगे। विश्वविद्यालय को सोशल इम्पैक्ट स्टडी व शोध कार्यों को बढ़ावा देना होगा।

गोरक्षपीठ की जोड़ने की.....

के प्रत्येक पक्ष के सम्बन्ध में कार्य को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री जी आज श्री गोरक्षनाथ मन्दिर परिसर, गोरखपुर में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय पुण्यतिथि समारोह-2024 के अन्तर्गत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की दसवीं पुण्यतिथि है। परम्परागत रूप से इस अवसर पर पूज्य संतों का प्रतिवर्ष सान्निध्य प्राप्त होता है। पूज्य संतों तथा वक्ताओं ने अपनी वाणी के माध्यम से पूज्य गुरुदेव के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है। संतों की पुण्यतिथि के आयोजन के साथ जुड़कर उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व को नई प्रेरणा के रूप में स्वीकार करना हमारे लिए उपादेय होगा तथा जीवन को नई दिशा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरक्षपीठ की परम्परा जोड़ने की परम्परा है। इतिहास के कालखंडों के अध्ययन से हमें देश की गुलामी के कारण ज्ञात होते हैं। कुछ स्वार्थी तत्वों ने समाज की एकता को खंडित करने तथा विभाजन की खाई को चैड़ा करने का प्रयास किया। इसका दुष्परिणाम देश को लंबे समय तक भुगतना पड़ा। गुलामी की मानसिकता हावी होने के कारण तत्कालीन नेतृत्व देश की दिशा तय नहीं कर पाया। स्वतंत्र भारत में देश को जो नई दिशा मिलनी चाहिए थी, वह नहीं प्राप्त हुई। क्या स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने इसीलिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। देश के संतों के मन में इस उधेड़बुन को लेकर आक्रोश था।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत आज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। विगत 10 वर्षों में देश की प्रगति से सर्वांगीण विकास की रूपरेखा सामने आई है। यह रूपरेखा बहुत उत्साहित करने वाली व हम सबको आगे बढ़ाने वाली है। आज जब भारत आगे बढ़ रहा है, तो दुनिया की वह ताकतें जो भारत को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहती, नये नये षड्यंत्र कर रही हैं। ऐसे समय में महागुरु गोरखनाथ, आदि शंकर, जगद्गुरु रामानुजाचार्य आदि संतों द्वारा भारत की एकता के लिए दिया गया संदेश हम सब की प्राथमिकता में होना चाहिए। जब तक ह्यजाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि के होईह्ल का भाव हमारे मन में नहीं आएगा तब तक हम सामाजिक एकता को मजबूती नहीं प्रदान कर पाएंगे। यदि सामाजिक एकता मजबूत नहीं है, तो राष्ट्रीय एकता को चुनौती उसी प्रकार मिलती रहेगी, जैसे वर्तमान में अनेक लोग निजी स्वार्थ के कारण जाने-अनजाने में देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हम सबको सतर्क होकर कार्य करना होगा।गोरक्षपीठ से जुड़े हुए भक्तगणों, शुभचिंतकों तथा यहां से संचालित शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं व समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़े हुए व्यक्तियों का भी दायित्व बनता है कि वह प्रेरक महापुरुषों के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लें। सप्त दिवसीय आयोजन इन्हीं मूल्यों व आदर्शों को आधार बनाकर किया जाता है। जैसा कि स्वामी दिनेशाचार्य जी उल्लेख कर रहे थे कि उनके पूज्य गुरु जगद्गुरु स्वामी हरि आचार्य जी महाराज भी यहां सामाजिक समरसता सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों में भाग लेते थे।इस सम्मेलन के साथ-साथ व्यावहारिक धरातल पर भी पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज तथा महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज सामाजिक समरसता के लिए निरन्तर प्रयासरत रहे। वह सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को आगे बढ़ाने के साथ ही संस्कृत शिक्षा, सामाजिक एकता तथा गोरक्षा के लिए अनवरत कार्य करते रहे। गोरक्षा का केवल उपदेश ही नहीं देना है, बल्कि इससे व्यावहारिक धरातल पर भी उतारना है।

विद्यालय जा रही शिक्षिका के गले से चैन लूटकर लुटेरे फरार

फतेहपुर।

थरियांव थाने के अरबपुर गांव में शनिवार सुबह एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका के गले से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चैन को लूट कर घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार थरियांव थाना के अरबपुर गांव में शनिवार सुबह फतेहपुर से स्कूल जा रही प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका के गले से सोने की चेन को लूटकर बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। लूट की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर एएसपी, सीओ सहित थरियांव थाना पुलिस और एसओजी की टीम पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं फतेहपुर शहर के सिविल लाइन क्षेत्र की रहने वाली शिक्षिका रश्मि पटेल करीब आठ सालों से थरियांव थाना के अरबपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका के पद पर तैनात हैं। प्रतिदिन शहर से एक वैन में आसपास के सभी क्षेत्र में तैनात पांच महिला शिक्षिकों के साथ आती हैं। थरियांव थाने के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर अरबपुर गांव के मोड़ पर वैन से उतरकर करीब पांच सौ मीटर दूर स्कूल तक पैदल जाया करती थी। जो प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह भी करीब पौने नौ बजे रोज की तरह हाईवे पर उतरकर पैदल स्कूल जा रही थी। तभी पीछे से नीली रंग की अपाची बाइक से आकर दो बदमाशों ने महिला को घेरकर बाइक में पीछे बैठा युवक उतरकर गले से चेन लूट लिया और अपने साथी के साथ फरार हो गया। दिनदहाड़े लूट की सूचना से इलाके की पुलिस हिल गई। आनन फानन में से सीओ अरुणराय व थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ मिनट में ही एसओजी टीम घटनास्थल पर पहुंच गई .

जनशिकायतों को प्राथमिकता पर लेते हुए करें निस्तारण: एडीएम

बांदा।

अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राजेश कुमार की उपस्थिति में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनशिकायतों को प्राथमिकता पर लेते हुए उनका निस्तारण गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्धता के साथ किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में कुल 75 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने मौके पर 05 जन शिकायतों का निस्तारण करते हुए शेष प्रकरणों को सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को इस निर्देश के साथ दिये गये कि सम्बन्धित आवेदन पत्रों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, पूर्ति, विद्युत, चकबन्दी व अन्य विभागों से सम्बन्धित आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित समस्याओं को सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को दिये।

करीना कपूर @44

मुंबई, एजेंसी।

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करीना कपूर आज 44 वर्ष की हो गयी।21 सितंबर 1980 को मुंबई में जन्मीं करीना कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता रणधीर कपूर अभिनेता जबकि मां बबीता और बहन करिशमा कपूर जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण करीना अक्सर अपनी बहन के साथ शूटिंग देखने जाया करती थीं। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगीं। करीना कपूर ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म रिफ्यूजी से की। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिषेक बच्चन ने निभायी थी जो उनकी भी पहली फिल्म थी। हालांकि फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी।वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म मुझे कुछ कहना है करीना के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। वर्ष 2001 में करीना को सुभाष घई की फिल्म यादें में काम करने का अवसर मिला लेकिन कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म टिकट खिड़की पर औंधे मुंह गिर गई। हालांकि उस वर्ष उनकी कभी खुशी कभी गम और अजनबी. जैसी सुपरहिट फिल्में भी प्रदर्शित हुयी लेकिन कामयाबी का श्रेय इन फिल्मों के अभिनेताओं को अधिक दिया गया।वर्ष 2002 में करीना कपूर के करियर के लिये महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी जीना सिर्फ मेरे लिये और मुझसे दोस्ती करोगे जैसी हिट फिल्में प्रदर्शित हुयी। वर्ष 2003 में करीना को सूरज बड़जात्या की फिल्म मैं प्रेम की दीवानी हूं में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में ऋतिक रौशन और अभिषेक बच्चन जैसे सितारे थे बावजूद यह फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी।वर्ष 2004 में करीना के अभिनय के नये आयाम देखने को मिले। इस वर्ष करीना की युवा, चमेली, हलचल और एतराज जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म चमेली में करीना ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में उनके दमदार अभिनय के लिये उन्हें फिल्म फेयर का पुरस्कार भी दिया गया।वर्ष 2006 में करीना कपूर की सुपरहिट फिल्म ओंकारा प्रदर्शित हुयी। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओंकारा में करीना को उनके दमदार अभिनय के लिये फिल्मफेयर की ओर से क्रिटिक्स अवार्ड द्वारा गया। इसी वर्ष प्रदर्शित फिल्म डॉन में करीना कपूर ने कैमियो किया। इस फिल्म में करीना ने हेलन के सुपरहिट गाने ये मेरा दिल यार का दीवाना पर डांस कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म जब वी मेट करीना कपूर के करियर की एक और सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करीना के अपोजिट शाहिद कपूर थे। दोनो की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म के लिये करीना कपूर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया।वर्ष 2008 में करीना कपूर की सुपरहिट फिल्म गोलमाल रिटर्नस प्रदर्शित हुयी।वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म थ्री इडियटस करीना कपूर के करियर की सुपरहिट फिल्मों में शुमार की जाती है। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करीना कपूर के अपोजिट आमिर खान थे। थ्री इडियट बॉलीवुड के इतिहास में 200 करोड़ रुपए की कमाई करने वाली पहली फिल्म थी।वर्ष 2010 में प्रदर्शित और रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म गोलमाल 3 के लिये करीना कपूर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नार्मांकित की गयी। वर्ष 2011 में प्रदर्शित फिल्म बाडीगार्ड करीना के करियर की सर्वाधिक कामयाब फिल्मों में शुमार की जाती है। करीना और सलमान की जोड़ी को बाडीगार्ड में काफी पसंद किया गया। वर्ष 2011 में करीना कपूर को शाहरूख खान के साथ रा.वन में काम करने का अवसर मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन बनी इस फिल्म में करीना कपूर पर फिल्माया गाना छम्मक छल्लो बेहद लोकप्रिय हुआ था। वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म हीरोइन हालांकि टिकट खिड़की पर कामयाब नही हो सकी लेकिन उनके अभिनय को दर्शकों ने बेहद पसंद किया।करीना कपूर ने वर्ष 2012 में सैफ अली खान से शादी कर ली। वर्ष 2013 में करीना कपूर की गोरी तेरे प्यार में और सत्याग्रह जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कमाल नही दिखा सकी। वर्ष 2014 में करीना की सिंघम रिटनर्स. प्रदर्शित हुयी है और इसने टिकट खिड़की पर 140 करोड़ रुपए की कमाई की।

खास खबर

गाजा में इजरायली हवाई हमलों में 16 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में आवासीय घर और वाहन पर हुए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 16 फिलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय फि लिस्तीनी सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इजरायली युद्धक विमानों ने रफा शहर के उत्तर में सोबा क्षेत्र में एक घर को निशाना बनाया। हमले में बच्चों और महिलाओं सहित 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि गाजा शहर में इजरायली हवाई हमले में शहर के पश्चिम में अब्बास चौराहे के पास एक वाहन को निशाना बनाया गया. जिसके परिणामस्वरूप एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई।

बेरूत पर इजरायली हमले में 12 मौत, 66 घायल

बेरूत। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हुए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और 66 अन्य घायल हो गए वहीं हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई में पश्चिमी गैलिली में 30 से अधिक बस्तियों और उत्तरी इजरायल में एक प्रमुख खुफिया अड्डे पर 100 से अधिक रॉकेट दागे।यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। बचाव दल हताहतों का पता लगाने के लिए मलबा हटाने में लगे हुए हैं।स्थानीय टीवी फुटेज में घनी आबादी वाले पड़ोस में व्यापक क्षति और अव्यवस्था दिखाई दी।स्थानीय मीडिया के मुताबिक हमले में हिजबुल्लाह जिहाद परिषद के सदस्य इब्राहीम अकील को लक्ष्य बनाया था।इजराइल रक्षा बलों के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा कि अभियान के दौरान लेबनानी समूह के अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ अकील भी मारा गया। हिजबुल्लाह ने हालांकि अकील की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

बेरूत पर इजरायली हमले में 12 मौत, 66 घायल

बेरूत। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हुए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और 66 अन्य घायल हो गए वहीं हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई में पश्चिमी गैलिली में 30 से अधिक बस्तियों और उत्तरी इजरायल में एक प्रमुख खुफिया अड्डे पर 100 से अधिक रॉकेट दागे।यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। बचाव दल हताहतों का पता लगाने के लिए मलबा हटाने में लगे हुए हैं।स्थानीय टीवी फुटेज में घनी आबादी वाले पड़ोस में व्यापक क्षति और अव्यवस्था दिखाई दी।स्थानीय मीडिया के मुताबिक हमले में हिजबुल्लाह जिहाद परिषद के सदस्य इब्राहीम अकील को लक्ष्य बनाया था।

एक है जिंदगी

खुद को खुश रखना बेहद जरूरी

दिल्ली (आईएएनएस)। नई पीढ़ी के अंदर जिंदगी जीने के नजरिए में काफी बदलाव आया है। युवा अब 'पीपल प्लीजर नहीं बल्कि 'सेल्फ प्लीजर' होने में यकीन रख रहे हैं। ऐसे लोग जो दूसरों की खुशी से पहले अपनी खुशी और कंफर्ट को महत्व देते हैं। दयालु और दूसरों के लिए मददगार होना अच्छी बात है, लेकिन खुद को खुश रखना भी बेहद जरूरी है। खुद को खुश रखने के लिए हमारे लिए अपने पैशन को फॉलो करना बेहद जरूरी है। अपनी रुचि की चीजों को करने से स्ट्रेस और एंजाइटी जैसी समस्याओं से राहत मिलती है ऐसा एक्सपर्ट्स कहते हैं। माना जाता है कि खुद को प्लीज करने से आतंरिक खुशी मिलती है और अपनी स्किल्स को और भी बेहतर बनाने में मदद भी। कई तरीके से आप खुद को बेहतर बना सकते हैं। इसके लिए कोई गेम, म्यूजिक, एडवेंचर एक्टिविटी, बुक रीडिंग जैसे चीजों को शामिल कर सकते हैं। सेल्फ प्लीजर का मतलब ये कतई नहीं है कि आप दूसरों को इग्नोर करें बल्कि सीधा-सपाट- सच्चा मतलब ये है कि खुद को खुश रखने का गुर सिखलेंगे तो पॉजिटिविटी का संचार होगा और दूसरों को भी नहीं खटकेंगे। वैसे इस अभूतपूर्व अहसास के लिए पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताना भी बहुत जरूरी है। आप भले ही व्यस्त हों, लेकिन खुद की खुशी के लिए उन लोगों के साथ बैठकर एक कप चाय या कॉफी का आनंद जरूर उठाएं जो सकारात्मक एहसास कराकर आपकी प्राथमिकताओं को महत्व दें। उनकी समस्याओं को शेयर करने से आप खुद को काफी हल्का महसूस कर सकते हैं। आखिर ये सेल्फ प्लीजर बनाम पीपल प्लीजर आखिर होता क्या है? आज का युवा 'सेल्फ प्लीजर' की अहमियत समझता है। पहले लोग 'पीपल प्लीजर' की बात करते थे। 'पीपल प्लीजर' उन्हें कहते हैं जो दूसरों की जरूरतों को अपनी जरूरतों से पहले रखते है। अक्सर वो दूसरों को खुश रखने के चक्कर में अपनी खुशी का ध्यान रखना भूल जाते हैं। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में उनके पास खुद के लिए समय नहीं होता है। दूसरों की उम्मीदों और खुशियों के लिए वो अपना जीवन यूं ही गुजार देते हैं। इस दशा को साइकलॉजिस्ट सोशियोट्रॉपी भी कहते हैं। पीपल प्लीजर वो होते हैं जो बचपन से वयस्क होने की यात्रा में हम अपनी जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाते हैं कि अपनी खुशियों को दरकिनार कर देते हैं और दूसरों को खुश करने में ही जिंदगी तमाम कर देते हैं।

रानी मुखर्जी से मिलकर बहुत खुश हुयी थी शरवरी

मुंबई, एजेंसी।

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी का कहना है कि वह रानी मुखर्जी से मिलकर बेहद खुश हो गयी थी।शरवरी ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म बंटी और बबली 2 में काम किया है।शरवरी ने बताया कि उन्हें रानी मुखर्जी के साथ अपनी पहली मुलाकात मजेदार और सहज लगी। कुछ पढ़ने और शूटिंग की तैयारी के दौरान, वह उन्हें बेहतर तरीके से जानने लगे और वह धीरे-धीरे मिलनसार होती गईं, बिल्कुल वैसी ही दिखीं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी। शरवरी ने कहा सुपरस्टार होने के बावजूद रानी ने कभी भी किसी को डराने वाला भाव नहीं दिखाया। रानी से मिलना मेरे लिए किसी खुशी से कम नहीं था।शरवरी इन दिनों फिल्म 'अल्फा' के लिए शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी भी नजर आने वाली हैं। अल्फा, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में पहली महिला प्रधान फिल्म है।

गिल और पंत का शतक,भारत ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

चेन्नई , एजेंसी।

शुभमन गिल (119 नाबाद) और रिषभ पंत (109) के बीच 167 रन की भागीदारी के बाद रविचंद्रन अश्विन (63 रन पर तीन विकेट) की फिरकी की बदौलत भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर मैच के तीसरे दिन शनिवार को भारत ने भोजनावकाश के बाद अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन बना कर घोषित कर दी और मेहमान टीम को जीत के लिये 515 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में बांग्लादेश ने चार विकेट पर 158 रन बना लिये थे। दिन का खेल खत्म होने के समय नजमुल हुसैन शांतो 51 रन और शाकिब अल हसन पांच रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश अभी भी लक्ष्य 357 रन पीछे है जबकि भारत को जीत के लिये अब छह विकेट की दरकार है।भारत ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाये थे जिसके जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर ढेर हो गयी थी। पहली पारी में 227 रन की बढ़त के साथ भारत ने अपनी दूसरी पारी में 287 रन बनाकर 514 रन की लीड हासिल कर ली और मेहमान टीम को जीत के लिये 515 रन का मजबूत लक्ष्य दिया।आज के मैच का मुख्य आकर्षण शुभमन और रिषभ के शतक रहे। लंच के बाद मेहदी हसन मिराज को रिटर्न कैच देने से पहले रिषभ ने अपनी शतकीय पारी में 128 गेंद खेल कर 13 चौके और चार छक्के लगाये। पंत उस समय क्रीज पर आये थे जब भारत के तीन अहम विकेट गिर चुके थे। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों ने उन्होने गिल के साथ मिल कर अपने खास अंदाज में बांग्लादेशी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब दिया। यह उनके करियर का पांचवा शतक था।पंत के आउट होने के बाद क्रीज पर आये केएल राहुल (22 नाबाद) के साथ मिलकर गिल ने करियर का पांचवां शतक पूरा किया। गिल का शतक पूरा होने के बाद ड्रेसिंग रुम में हलचल तेज हो गयी जिसके बाद भारतीय पारी के घोषित होने के कयास लगाये जाने लगे।

पेज 1 का शेष

कौवे के बिना अधूरा होता....

मान्यताओं के अनुसार कौवों को देवपुत्र भी माना गया है। कौवे को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौवे को खाना खिलाने से पितरो को तृप्ति मिलती है। गरुण पुराण के अनुसार, पितृपक्ष में अगर कौआ श्राद्ध का भोजन ग्रहण कर लें तो पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और यम भी खुश होते हैं और उनका संदेश पितरों तक पहुंचाते है।प्राचीन शास्त्रों के अनुसार यम ने कौवे को वरदान दिया था कि तुम्हें दिया गया भोजन पूर्वजों की आत्मा को शांति देगा। तब से यह प्रथा चली आ रही है।प्रयाग धर्म संघ के अध्यक्ष एवं तीर्थ पुरोहित पंडित राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पुराण, रामायण, महाकाव्यों एवं अन्य धर्म शास्त्र और प्राचीन ग्रन्थों में पितृपक्ष में कौवों की महत्ता को विस्तृत रूप से बताया गया है। इससे जुड़ी कई रोचक कथाएं एवं मान्यताएं वर्णित हैं।मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष में पूर्वज अपनों के साथ पृथ्वी पर 15 दिन का समय बिताने के लिए आते हैं। इस अवधि में उनका तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध में कौवे, गाय और स्वान को सबसे पहले भोग दिया जाता है। पितरों को भोजन कराने के लिए कौवे को अंश दिया जाता है जिससे उसके द्वारा ही पितरों को महाप्रसाद का अंश मिलता है। पितर परिजनों के कर्म से प्रसन्न होकर संपन्नता, खुशहाली और वंश वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान कर पितृ लोक को वापस लौट जाते हैं।श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त भोजन बनाकर कौवे, गाय, कुत्ते का ग्रास निकालने का विधान है। श्राद्ध में कौवों के नही मिलने से लोगों को पितरों तक भोजन पहुंचाने की परंपरा का निर्वहन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पितृ पक्ष के दौरान कुत्ता और गाय तो सुलभ हैं लेकिन कौवे खोजने पर भी नहीं मिल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं कहीं कौवे नजर आ भी जाते हैं लेकिन शहरी वातावरण में बडी मुश्किल से नजर आते हैं। कुछ साल पहले तक घरों के मुंडेर पर कौवे कांव-कांव करते बैठे मिलते थे।उन्होंने बताया कि बढ़ती आबादी के साथ बढ़ते कंक्रीट के जंगल और कम होती हरियाली कौवो के प्राकृतिक आवास छिनने के लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा खेतों में पेस्टीसाइड का प्रयोग, मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडियोधर्मी किरणें और बढ़ते प्रदूषण कौवे के पलायन का एक बड़ा कारण है। लोगों को कौओं की सालभर भले सुधि नहीं आती हो लेकिन पितृपक्ष में उन्हें ग्रास खिलाने के लिए बरबस याद आते है।

आज घर में करूंगा.....

पर उनका स्वागत करने के लिए फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर पहुंचे हुए थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रवासी समुदाय के लोगों से मिलकर उनका उत्साह बढ़ाया। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और न्यूयॉर्क में भारत के कांसुलेट जनरल बिनय श्रीकांत प्रधान भी मौजूद रहे।तीन दिनों की अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री डेलावेयर में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भविष्य के शिखर सम्मेलन (एसओटीएफ) में भाग लेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी करने वाले हैं। पीएम मोदी क्वाड बैठक में हिस्सा लेने के लिए फिलाडेल्फिया से डेलावेयर के लिए रवाना हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ट्वीट किया, 'आज मैं प्रधानमंत्री अल्बनीज (ऑस्ट्रेलिया), मोदी और किशिदा का अपने घर डेलावेयर में स्वागत करूंगा। ये नेता न केवल एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं- वे मेरे और हमारे राष्ट्र के दोस्त हैं। शिखर सम्मेलन में हम जो कुछ भी हासिल करेंगे, उसे लेकर मैं आशान्वित हूं।'क्वाड नेताओं की छठी बैठक अमेरिका के स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे आर्कमेरे अकादमी में होनी है, जहां बाइडन ने हाई स्कूल में पढ़ाई की थी। भारतीय समयानुसार यह बैठक रविवार सुबह 1.30 बजे शुरू होगी। प्रधानमंत्री मोदी बैठक के अतिरिक्त राष्ट्रपति बाइडन और क्वाड समूह के दूसरे नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे।

सबका होगा....

किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार.दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।शनिवार को एक महिला अपने दिव्यांग बच्चे को लेकर आई थी। उसे व्हीलचेयर पर देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने महिला से बातचीत की। पता चला कि यह बच्चा जन्म से दिव्यांग नहीं था उसे बाद में पोलियो हुआ। उसे लखनऊ और दिल्ली के बड़े अस्पताल में दिखाया गया है लेकिन डॉक्टरों ने जवाब दे दिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने महिला को आश्वस्त किया कि उक्त बालक को एक बार फिर से पीजीआई लखनऊ के डॉक्टरों को दिखाया जाएगा। उन्होंने इसे लेकर मौके पर अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

अब 3डी मेटावर्स पर भी दिखेंगी....

मोबाइल ऐप का निर्माण किया जाएगा। यह प्लैटफॉर्म पर्यटकों को वर्चुअल टूर उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा। इसी प्रकार, क्यूआर कोड बेस्ड ऑडियो टूर के पोर्टल का भी विकास किया जाएगा जिसके जरिए प्रदेश के 100 स्थलों के ऑडियो टूर का लाभ भी लोग ले सकेंगे। इन दोनों ही परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा पूरा किया जाएगा और इन दोनों ही प्रक्रियाओं को लेकर कार्य शुरू हो गया है। एक यादगार पर्यटन अनुभव में एक पर्यटक की यात्रा में कई मुख्य प्वॉइंट्स होते हैं। ऐसे में, परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के माध्यम से भू-संदर्भित मानचित्रों पर रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थलों/रुचि के बिंदुओं के 3डी मेटावर्स और 360-डिग्री पैनोरमिक दृश्यों को एकीकृत करके फीचर समृद्ध वेब और मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जाएगा। एजेंसी लगभग 1500 स्थलों के लिए डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण करेगी इन सभी स्थलों का 360 पैनोरमिक डेटा एकत्र कर उसका डेटाबेस बनाएगी। इसके बाद, दोनों शहरों में वेब व मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 3डी मेटावर्स टूरिंग एक्सपीरिएंस उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लखनऊ और प्रयागराज में विस्तृत सर्वे प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। लखनऊ के प्रमुख ऐतिहासिक व पर्यटक स्थलों, बाजार, चिकनकारी के प्रमुख हब समेत प्रयागराज के विभिन्न पौराणिक व ऐतिहासिक स्थलों, बाजारों, महाकुंभ में स्नान के लिए विभिन्न घाटों, मंदिरों तथा आध्यात्मिक केंद्रों को इस परियोजना से जोड़ा जाएगा।

सभी सीटें हारेगी.....

गठबंधन का विधायक धरने पर बैठा है। विधायक, मंत्री कह रहे है लूट हो रही है। श्री यादव ने कहा कि यह सरकार हर मोर्चे पर फेल है। किसानों को एमएसपी नहीं मिल रही है। किसानों के आलू और गेहूं की फसल की तैयारी करनी है लेकिन डीएपी खाद नहीं मिल रही है। सरकार फसलों के लिए डीएपी और अन्य उर्वरक नहीं उपलब्ध करा पा रही है। भाजपा से लेकर प्रधानमंत्री जी तक ने किसानों से झूठे वादे किए। कहा था कि आय दोगुनी हो जाएगी, आय दोगुनी नहीं हुई उल्टे महंगाई के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति जर्जर हो गयी। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। उनका भविष्य अंधकारमय है। मुख्यमंत्री जी रोज करोड़ों के निवेश की बात करते हैं। परन्तु न कहीं कोई उद्योग लग रहा हैं और न कहीं रोजगार है।

सभी का होना चाहिए.....

नितिन गडकरी ने राजनीति में जाति के इस्तेमाल पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि जो राजनेता अपने काम के आधार पर चुनाव नहीं जीत सकते, वे इस बारे में बात करते हैं।भाजपा नेता ने कहा कि दुर्भाग्य से हर किसी में खुद को पिछड़ा साबित करने की होड़ लगी हुई है। आज हमारी समस्या जाति और समुदाय नहीं है- गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी है। सुशासन और सही नीतियों के आधार पर हम गरीबों, किसानों, गांवों में रहने वालों, हाशिये पर पड़े लोगों की सेवा कैसे कर सकते हैं, इसी पर भाजपा काम करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष की जाति जनगणना की मांग में दम है, गडकरी ने इस सवाल को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया कि क्या ऐसी कवायद की जानी चाहिए या नहीं।

कभी बामसेफ था बसपा की परछाई....

बनी तो इसे बिसरा दिया गया। वर्तमान में बामसेफ कई धड़ों में बंटा है। बसपा जिस बामसेफ को अपना बताती है, उसका कोई संगठन ही नहीं है। इसे कभी पंजीकृत भी नहीं कराया गया। वहीं, वामन मेश्राम के पंजीकृत बामसेफ संगठन का कई राज्यों में विस्तार हो चुका है। यह संगठन कांशीराम को तो आज भी अपना नेता मानता है, लेकिन अन्य बसपा नेताओं को नहीं।

जाटव वोट बैंक की लड़ाई

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं दलित चिंतक रविकांत के मुताबिक बामसेफ का दोबारा पुनर्गठन करने की बसपा की कवायद सिर्फ जाटव वोट बैंक पर कब्जा बरकरार रखना है। बसपा का संगठन पूरी तरह से खात्मे की ओर है। उसके जाटव वोट पर भी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का दखल बढ़ता जा रहा है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर का सांसद बनना बसपा के लिए खतरे की घंटी बन चुका है। बसपा ने बीते दशकों में बामसेफ की सुध तक नहीं ली जिससे जमीनी स्तर पर संगठन विस्तार का काम बंद हो गया। इसमें शिक्षित एवं समर्पित लोग थे, जिनकी बातों को समाज मानता था।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रुद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।